DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY
Accredited with B+ Grade by NAAC
Kargi Road, Kota, Dist.-Bilaspur (C.G.)
Ph. : 07753-253 801 Fax : 07753-253728
e-mail : info@cvru.ac.in, visit us at : www.cvru.ac.in

क्र.31 / कु.स. / सी.वी.आर.यू. / 2021 बिलासपुर, दिनांक : 06.04.2021

प्रति,

अध्यक्ष महोदय,
छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग,
छत्तीसगढ़ शासन,
रायपुर (छ.ग.)

विषय :– डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय का माह मार्च – 2021 का मासिक प्रगति प्रतिवेदन।

आदरणीय महोदय,

उपरोक्त विषयांतर्गत, डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय द्वारा माह मार्च – 2021 का मासिक प्रतिवेदन प्रेषित किया जा रहा है।

सादर,

कुलसचिव

डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय

करगीरोड कोटा, बिलासपुर (छ.ग.)

मासिक प्रगति पत्रक

माह :– मार्च – 2021

01	विश्वविद्यालय का नाम एवं स्थापना वर्ष।	डॉ. सी. वी. रामन् वि. वि., स्थापना वर्ष नवम्बर 2006,
02	विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी।	फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालॉजी बी. ई. (कम्प्यूटर साईंस) बी. ई. (इन्फार्मेशन टेक्नालॉजी) बी. ई. (इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्यूनिकेशन) बी. ई. (इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स) बी. ई. (इलेक्ट्रिकल) बी. ई. (मेकनिकल) बी. ई. (सिविल) एम. टेक. (कम्प्यूटर साईंस) एम. टेक. (डिजीटल कम्यूनिकेशन) एम. टेक. (प्रोडक्शन इंजी.) एम. टेक. (पावर सिस्टम) एम. टेक. (साफटवेयर इंजी.) एम. टेक. (वी.एल.एस.आई.) डिप्लोमा (सिविल इंजी.) डिप्लोमा (कम्प्यूटर साईंस) डिप्लोमा (ईई) डिप्लोमा (मेकनिकल इंजी.) फैकल्टी ऑफ एजुकेशन बैचलर ऑफ एजुकेशन (बी. एड.) मास्टर ऑफ एजुकेशन (एम. एड.) बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एण्ड स्पोर्टस (बी.पी.ई.एस.) मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एण्ड स्पोर्टस (एम.पी.ई.एस.) मास्टर ऑफ फिलॉसॉफी

		(विभिन्न पाठ्यक्रमों में संचालित) फैकल्टी ऑफ वाणिज्य एवं प्रबंधन बैचलर ऑफ कामर्स (बी. काम.) मास्टर ऑफ कामर्स (एम. काम.) मास्टर ऑफ बिजिनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम. बी.ए.) बैचलर ऑफ बिजिनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बी. बी.ए.) फैकल्टी ऑफ इन्फार्मेशन टेक्नालॉजी एम एस सी (आई. टी.) (मास्टर ऑफ इन्फारमेशन टेक्नोलॉजी) पी.जी.डी.सी.ए. (पोस्ट ग्रेज्युएट डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन) बी.सी.ए. (बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन) डी.सी.ए. (डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन) बी.एस.सी. (कम्प्यूटर साईंस) एम.एस.सी. (कम्प्यूटर साईंस) एम.एस.सी. (आई. टी.) फैकल्टी ऑफ आर्ट्स बी. ए. (बैचलर ऑफ आर्ट्स) एम. ए. (मास्टर ऑफ आर्ट्स) बी. लिब. एम. लिब. एम. एस. डब्ल्यू. फैकल्टी ऑफ जरनेलिज्म एण्ड मास कामुनिकेशन बी. जे. एम. सी. एम. जे. एम. सी. फैकल्टी ऑफ साईंस बी. एस. सी. (जीव.) बी. एस. सी. (गणित) बी. एस. सी. (कम्प्यूटर साईंस) एम. एस. सी. (गणित) एम. एस. सी. (भौतिकी) एम. एस. सी. (प्राणी शास्त्र) एम. एस. सी. (वनस्पति शास्त्र) एम. एस. सी. (रसायन)

		एम. एस. सी. (सूक्ष्म जीव विज्ञान) एम. एस. सी. (जैव प्रौद्योगिकी) एम. एस. सी. (ग्रामीण प्रौद्योगिकी) फैकल्टी ऑफ लॉ बी.ए.एल.एल.बी एल.एल.बी. एल.एल.एम. फैकल्टी ऑफ फार्मेसी बी. फार्मा डी. फार्मा शोध पाठ्यक्रम दूरवर्ती शिक्षा के पाठ्यक्रम
03	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिए संबंधित विनियामक इकाईयों के द्वारा सक्षम अनुमति प्राप्त कर ली गई है? यदि हां, तो तत्संबंधी आदेश की छायाप्रति।	हॉ, विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिये संबंधित विनियामक इकाईयों के द्वारा सक्षम अनुमति प्राप्त कर ली गई है। तत्संबंधी आदेश की छायाप्रति पूर्व में प्रेषित की जा चुकी है।
04	विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधाएं (भवन, प्रयोगशाला, ग्रंथालय, खेल मैदान, फर्नीचर, उपकरण एवं अन्य सुविधायें।)	विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें पर्याप्त है।
05	क्या विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें संचालित पाठ्यक्रमों के अनुरूप हैं?	उपलब्ध मूलभूत सुविधाएं, पाठ्यक्रमों के अनुरूप है। नए उपकरणों का क्रय किया जा चुका है। नया फर्नीचर एवं लाईब्रेरी के लिये पुस्तकों इत्यादि का क्रय भी किया जा चुका है।
06	विश्वविद्यालय में कार्यरत् अधिकारियों की जानकारी।	विश्वविद्यालय में 31 विभाग संचालित है, जिसमें शिक्षक एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति नियमानुसार मापदण्डों के आधार पर एवं योग्यता के अनुरूप की जाती है।
07	विश्वविद्यालय में कार्यरत् शिक्षक।	विश्वविद्यालय में 31 विभाग संचालित है, जिसमे शिक्षक एवं गैर शिक्षण स्टाफ की

		नियुक्ति नियमानुसार मापदण्डों के आधार पर एवं योग्यता के अनुरूप की जाती है। विभाग में छात्र–छात्राओं की संख्या के आधार पर शिक्षकों एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति की गई है।
08	क्या विश्वविद्यालय में कार्यरत् शिक्षकों की योग्यता एवं अनुभव निर्धारित मापदंडों के अनुरूप है?	शिक्षकों की नियुक्ति नियमानुसार की गई है एवं मापदंडो के अनुरूप है।
09	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिए शिक्षकों की संख्या मापदंडों के अनुरूप है ?	शिक्षकों की संख्या मापदंडों के अनुरूप है, एवं छात्रों की संख्या के अनुसार है।
10	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम के लिए परिनियम/अध्यादेश का अनुमोदन प्राप्त किया गया है? यदि हां, तो उसका विवरण।	परिनियम एवं अध्यादेश विधिवत् अनुमोदित है एवं माननीय आयोग को प्रेषित किया जा चुका है। विश्वविद्यालय के परिनियम के आधार पर निम्न ईकाइयों का गठन किया गया है, जिसमें अंतर्गत शासी निकाय, प्रबंध मंडल एवं अकाद्मिक कांऊसिल का गठन किया गया है, जिसमें प्रबंध मंडल द्वारा समय–समय पर पाठ्यक्रमों में परिवर्तन कर अपग्रेड किया जाता है, तथा उच्च कोटि के लैब, लाईब्रेरी का निर्माण पाठ्यक्रमानुसार किया गया है। प्रबंध मंडल द्वारा समय–समय पर शोध कार्य हेतु सेमीनार, वर्कशाप एवं फेकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम भी किया जाता है।
11	क्या विनियामक आयोग/शासन के द्वारा निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया गया है? यदि हां, तो निरीक्षण में पाई गई कमियां तथा कमियों को दूर करने के लिये विश्वविद्यालय को दिये गये निर्देश, क्या विश्वविद्यालय द्वारा शासन/विनियामक आयोग के निर्देशों का पालन किया गया है?	हॉ, माननीय आयोग के द्वारा विश्वविद्यालय का निरीक्षण दिनांक 10. 04.2019 को किया गया था। माननीय आयोग के निर्देशों का पालन नियमानुसार किया जा रहा है।

12	विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति पर संक्षिप्त प्रतिवेदन।	विश्वविद्यालय द्वारा समस्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश नियमानुसार एवं अध्यादेशों के अनुरूप प्रवेशित छात्र–छात्राओं द्वारा दी गई शुल्क द्वारा विश्वविद्यालय में अलग–अलग विभागों के लिये भवन, प्रयोशालाओं का निर्माण एवं उच्च कोटि के आधुनिक उपकरणों का क्रय, समस्त विभाग के अधिकारीगण, शिक्षणगण एवं कर्मचारियों के लिये फर्नीचर, ग्रंथालय में विभागानुसार पुस्तकों का क्रय एवं ग्रंथालय में छात्र–छात्राओं के लिये अध्ययन करने के लिये उच्च कोटि की व्यवस्था मापदण्डों के अनुरूप, आवागमन साधन एवं अन्य सुविधाओं की पूर्ति की जा रही है। वर्तमान में विश्वविद्यालय द्वारा बैंक ऑफ इंडिया द्वारा भी ऋण लिया गया है, विश्वविद्यालय की पितृ संस्था द्वारा भी विश्वविद्यालय को समय–समय पर आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाता है। विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति नियमानुसार नियमित रूप से है।
13	छात्रों से विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए, लिये जाने वाले शुल्क की जानकारी।	छात्रों से विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए, लिये जाने वाले शुल्क की जानकारी पूर्व में प्रेषित की जा चुकी है।
14	क्या शिक्षण शुल्क के अतिरिक्त अन्य शुल्क विद्यार्थियों से लिये जाते हैं? यदि हां तो उसका औचित्य।	अध्यादेशों के अनुकूल ही शुल्क लिया जाता है, अतिरिक्त शुल्क का कोई प्रावधान नहीं है।
15	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम यूजीसी, एआईसीटीई या अन्य विनियामक इकाईयों के मार्गदर्शक बिन्दुओं के अनुरूप हैं?	विश्वविद्यालय के समस्त पाठ्यक्रम यूजीसी की सूची (22) के अनुरूप है तथा एआईसीटीई, एनसीटीई या अन्य विनियामक इकाईयों के अनुसार है एवं अनुमोदित है, जिसका निरीक्षण संबंधित

		इकाईयों द्वारा तथा आयोग द्वारा किया जा चुका है।
16	विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियां।	– डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार आयोजित किया गया था। – डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय में अंतराष्ट्रीय महिला दिवस पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जापान में आयोजित खेल में गोल्ड मेडल हासिल कररने वाली एथलेटिक शारदा तिवारी जी ने अपने अपने जीवन के अनुभव साझा किये। – डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय के गग्रमीण प्रौद्योगिकी विभाग ने हर्बल गुलाल का उत्पादन शुरू किया है। पलाश, हल्दी, चंदन, मुल्तानी, सिंदूरी, मुल्तानी मिटटी, गुलाव जल, पालक और प्राकृतिक रंगों से मिलाकर देशज पारंपरिक विधि से हर्बल गुलाल तैयार किया गया है। – डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर चुके विद्यार्थियों का सम्मेलन (एलुमनाई मीट) आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में 2016–17 से लेकर 2020 तक की कला संकाय के छात्र शामिल हुये। छात्रों ने अपने पुराने दिनों को याद करने के साथ ही नये जीवन के अनुभव साझा किये।

		– भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्ला खां साहेब के 105 वें जन्मदिन पर डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय के टैगोर विश्व कला एवं संस्कृति केंद्र द्वारा जीवन में संगीत का महत्व विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया था। इसमें खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय गायन विभाग के प्रमुख श्री दिनेश देवदास एवं संस्कृति विभाग की डॉ. पूर्णिमा केलकर मुख्य वक्ता रहीं। – सत्र 2020–21 में शैक्षणिक गतिविधियॉ एवं प्रशासनिक गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करना। नवीन पाठ्यक्रमों के अनुरूप संसाधनों का निर्माण करना।
17	विश्वविद्यालय के संचालन में आने वाली प्रशासनिक, अकाद्मिक एवं अन्य कठिनाईयों की जानकारी।	– GAD के Circular में अभी तक विश्वविद्यालय का नाम समस्त विश्वविद्यालयों की सूची में शामिल नहीं किया गया है।

कुलसचिव